International Journal of Hindi Research
www.hindijournal.com
ISSN: 2455-2232
Received: 18-08-2022, Accepted: 04-09-2022, Published: 21-09-2022
Volume 8, Issue 5, 2022, Page No. 13-15

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान में यूनानी औषधि लोबान एक सहायक

Mohd Wasim Ahmed, Reesha Ahmed, Asma Sattar Khan
Drug Standardization Research Institute, Ministry of AYUSH, Government of India, PCIM and H Campus, Kamla Nehru Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradseh, India

सारांश
महात्मा गाँधी के स्वच्छ भारत के सपनों को पूरा करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 02 अक्टूबर, 2014 को "स्वच्छ भारत अभियान" की शरूआत की। आठ साल पहले दो अक्टूबर, 2014 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में जिस स्वच्छता और साफ–सफाई की मुहिम चलाई थी, वह आज एक बड़े आन्दोलन में तब्दील हो चुकी है। जिसका सकारात्मक रूप दिखने भी लगा है। स्वच्छत भारत मिशन एक बड़े पैमाने पर आंदोलन है जिसका उदेश्य 2019 तक स्वच्छ भारत बनाने की कोशिश थी। हमारे देश के पिता श्री महात्मा गांधी हमेशा स्वच्छता पर जोर देते थे क्योंकि स्वच्छता स्वस्थ और समृद्ध जीवन की ओर ले जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने 2 अक्टूबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन शुरू करने का फैसला किया। मिशन सभी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए है। इस अभियान में प्रमुख रुप से खुले में शौच मुक्त भारत बनाने पर जोर दिया गया है। कुछ दवाओ इस्तेमाल से वातावरण को स्वच्छ बनाया जा सकता है। यूनानी औषधि, में कुछ दवाएं ऐसी हैं जिस का प्रयोग से वातावरण स्वच्छ रख सकते हैं। लोबान एक ऐसी यूनानी औषधि हें जिसका प्रयोग प्राचीन काल से होता आ रहा है।

मूल शब्दः महात्मा गाँधी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र, लोबान, स्वच्छत भारत मिशन और स्वच्छता

प्रस्तावना
भारत एक प्राचीन सभ्यता है। इसे एक पवित्र राष्ट्र माना जाता है, इसके लोग बहुत धार्मिक है। भारत में विभिन्न धर्मों के लोग रहते है; हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई, सिक्ख, पारसी, जैन आदि और वे अपने धर्मों का पूरी निष्ठा से पालन करते है।लेकिन यह हमारे देश की कड़वी सच्चाई है कि सभी स्वच्छता और धर्मपरायणता केवल धार्मिक गतिविधियों और रसोई तक ही सीमित है। हम भारतीय अपने हर तरफ की गंदगी के लिये गंभीर नहीं है । अपने आस–पास के वातावरण को साफ और स्वच्छ रखना हमारे व्यवहार में नहीं है। अधिक से अधिक हम अपने घर को साफ रखते है और सड़क, रास्ते, पार्क या सार्वजनिक जगहों के प्रति हम चिंतित हो ये हमारा मसला नहीं है। भारतीय अपने अस्वास्थ्यकर व्यवहार के लिये प्रसिद्ध है।
अपनी दूरगामी दृष्टि के कारण प्रधान मंत्री जी ने इसके विकराल रूप को पहचानते हुए इस अभियान को शुरू किया । अभियान के तहत देश में लगभग 11 करोड़ 11 लाख शौचालयों के निर्माण के लिए एक लाख चौंतीस हजार करोड़ रूपये खर्च किये जाएँगे। 2 अक्टूबर, 2021 को स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) अपनी सातवीं वर्षगांठ मनाई। शौचालय निर्माण ही नहीं स्वच्छ भारत मिशन शौचालय उपयोग की निगरानी के लिए एक जवाबदेह तंत्र स्थापित करने की पहल भी करेगा।[1, 2] यूनानी औषधि, चिकित्सा और स्वच्छता का प्राचीन भारतीय विज्ञान, स्वस्थ जीवन शैली के लिए दैनिक जीवन में स्वच्छता के महत्व और अभ्यास के बारे में विस्तार से बताता है।

स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश्य
समग्र स्वच्छता प्राप्ति के प्रयासों में सार्थक रूप से तेज़ी लाने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन आरम्भ किया । 2 अक्टूबर 2019 तक "स्वच्छ भारत" के मिशन और दृष्टि को पूरा करने के लिये भारतीय सरकार द्वारा कई सारे लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की गई जो कि महान महात्मा गाँधी का 150वाँ जन्म दिवस होगा। सरकार द्वारा ये घोषणा किया गया है कि ये अभियान राजनीति के उपर है और देशभक्ति से प्रेरित है।[3]

स्वच्छ भारत अभियान के निम्न कुछ महत्वपूर्ण उद्देश्य
- स्वच्छ भारत में खुले में मलत्याग की व्यवस्था का जड़ से उन्मूलन।
- अस्वास्थ्यकर शौचालयों को बहाने वाले शौचालयों में बदलना।
- हाथों से मल की सफाई करने की व्यवस्था को हटाना।
- लोगों के व्यवहार में बदलाव कर अच्छे स्वास्थ्य के विषय में जागरुक करना।
- जन–जागरुकता पैदा करने के लिये सार्वजनिक स्वास्थय और साफ–सफाई के कार्यक्रम से लोगों को जोड़ना।
- साफ–सफाई से संबंधित सभी व्यवस्था को नियंत्रित, डिज़ाइन और संचालन करने के लिये शहरी स्थानीय निकाय को मजबूत बनाना।
- पूरी तरह से वैज्ञानिक प्रक्रियाओं से निपटानों का दुबारा प्रयोग और म्यूनिसिपल ठोस अपशिष्ट का पुनर्चक्रण।
- सभी संचालनों के लिये पूँजीगत व्यय में निजी क्षेत्रकों को भाग लेने के लिये जरुरी वातावरण और स्वच्छता अभियान से संबंधित खर्च उपलब्ध कराना।[2, 4]

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान में यूनानी चिकित्सा का योगदानः
यूनानी चिकित्सा के अंतर्गत भारतीय यूनानी भेषजकोश में लगभग 3 हज़ार जडी बूटियाँ वर्णित हैं जिनका उपयोग लम्बे समय से हीं भारत को स्वस्थ एवं स्वच्छ रखने हेतु किया जा रहा है, जिनमें से एक औषधि लोबान के नाम से जानी जाती है जिसका प्रयोग प्राचीन काल से होता आ रहा है । यह औषधि वातावरण की स्वच्छता के साथ–साथ मानव शरीर को विभिन्न रोगों से मुक्त कराने में सहायक सिद्ध हुआ है जिसका विवरण यूनानी पुस्तकों में विस्तार पूर्वक दिया हुआ है ।

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान में यूनानी औषधि लोबान एक सहायक परिचय

लोबान एक पेड़ का गोंद होता है, जिसका बोटैनिकल नाम स्टायरेक्स बेंज़ोइन । स्टायरेक्स बेंजोइन (बेंजोइन राल) परिवार (स्टायरैकेसी) से संबंधित एक बारहमासी पेड़ है। इसकी खेती अलग–अलग क्षेत्रों में की गई । हैस्टायरेक्स बेंज़ोइन इंडोनेशिया में सुमात्रा के मूल निवासी पेड़ की एक प्रजाति है। यह सुमात्रा, इंडोनेशिया के जंगलों का एक आम सदस्य है, जहां यह लगभग 12–30 मीटर ऊंचाई तक बढ़ता है। स्टायरेक्स बेंज़ोइन 70–100 साल तक जीवित रह सकता है। गोंद को लोबान के वृक्ष की छील पर या उसके तने पर चीरा देकर निकाला जाता है । लोबान के दोहन और कटाई की प्रक्रिया में एक वर्ष का समय लगता है। जो गोंद काटा गया है वह साफ नहीं है और अशुद्धियों को दूर करने के लिए 3 से 6 महीने तक सुखाया जाता है। गोंद सूख जाने के बाद प्रयोग में लाया जाता है। लोबान का पेड़ हिंदुस्तान, और यमन वगैरह में पाया जाता है इसके कांटे और पत्ते पुख्ता हो कर सुर्ख हो जाते हैं । इसका पेड़ ईमली के पेड़ के बराबर होता है इसका तना मोटा होता है इसके पत्ते ईमली के पत्तों की तरह होते हैं ।[5, 6, 7]

लोबान के नाम

लोबान के पेड़ के सामान्य नामों में गम बेंजामिन का पेड़, लोबन (अरबी में), केमेनियन (इंडोनेशिया और मलेशिया में), बेंजोईन (अंग्रेजी में), ऊद (मराठी में), लोबान (संस्कृत, हिंदी और उर्दु में) ।[5, 6]

मिजाज़

गर्म–दो और खुश्क दो दर्जे का होता है ।
गर्म–दो और खुश्क एक दर्जे[5]

क्रियाशीलता

दाफ–ए–तआफुन, जाली, मुहर्रिक–ए–कबिद, मुनफ्फिस व मुखरिज–ए–बलग़म, दाफ–ए–अमराज–ए–बलग़म, मुकव्वी–ए–मेदा, मुकव्वी–ए–बा एवं दाफ–ए–बुखार ।[5, 8]

प्रयोग

- स्टायरेक्स बेंज़ोइन का उपयोग कीटाणुनाशक के रूप में किया जाता है और यह एक है अच्छा हर्बल रेमेडी भी हैं ।
- स्वच्छता में ये बैक्टीरिया के खिलाफ एक एहम रोले निभाता हें ।
- दाफ–ए–तआफुन होने के कारण मरहमों में डाला जाता है और जख्मों को ठीक करने हेतु प्रयोग किया जाता है ।
- जाली होने के कारण शरीर को स्वच्छ रखने हेतु उबटन बना कर मालिश किया जाता है ।
- अमराज ए बलगमी– लकवा, फालिज, निकरस, वजा उल मफासिल वगैरह रोगों में पीने और तिलाअन प्रयोग किया जाता है ।
- छाती के रोगों और बलगमी खाँसी और जिकुन्नफस में लाभदायक है ।
- सफूफ बना कर खिलाने से बुखार को दूर करता है ।
- कान के दर्द में भी प्रयोग किया जाता है ।
- तकवियत–बा हेतु भी प्रयोग किया जाता है
- इसका जोहर हासिल करके प्रयोग किया जाता है जो कि ज्यादा असरदार होता है।[5, 7, 8, 7, 9, 10]

लोबान में पाये जाने वाले तत्वः स्टायरेक्स बेंज़ोइन में आमतौर पर होता है

- बेंजाइलडीहाइड,
- बेंजोइक एसिड,
- बेंजाइल बेंजोएट
- सिन्नामिक एसिड
- वैनिलिन।

स्टायरेक्स बेंज़ोइन में शामिल बेंजोइक एसिड, बेंजाइलडीहाइड और बेंजाइल बेंजोएट जो सबसे प्रभावी जीवाणुनाशक, कीटाणुनाशक ,एंटीवायरल और कवकनाशी हैं। अगर बेंज़ोइन राल का धुआँ फैल जाता है तो धुएँ के रंग का क्षेत्र कीटाणुओं से मुक्त हो जाता है।[10, 11]

तलिका 1: स्टायरेक्स बेंज़ोइन की यौगिक संरचना

यौगिक	स्टायरेक्स बेंज़ोइन (%)
बेन्जोइक एसिड (Benzoic acid)	46.9
सिन्नामिक एसिड (Cinnamic acid)	40.4
सिन्नमाइल बेन्जोएट (Cinnamyl benzoate)	0.5
बेंजाइल सिन्नामेट (Benzyl cinnamate)	0
सिन्नमाइल सिन्नामेट (Cinnamyl cinnamate)	0
ρ–कौमेरिल बेन्जोएट (ρ–Coumaryl benzoate)	0
कोनिफेरिल सिन्नामेट (Coniferyl cinnamate)	0
पइनोरेसिनोल (Pinoresinol)	6.1
बेन्जोइक एसिड ईस्टर (Benzoic acid ester)	0.6
ट्राईटरपीन (Triterpene)	2.3
सिन्नामिक एसिड (Cinnamic acid ester)	0

लोबान के विज्ञानीय लाभ

- इस औषधि की धूनी का प्रयोग कीडों और मच्छरों हेतु उत्तम विकर्षक के रूप में किया जाता है ।
- यह औषधि पाचन क्रिया एवं दस्त में लाभदायक है ।
- यह औषधि घाव और फोडों में लाभदायक है ।
- यह एक अच्छा कफोत्सारक, बलग़म कम करने वाली है तथा कुल्ला करने से गले की सूजन में लाभ होता है, नजला जुकाम, खाँसी, दाँत दर्द, मूत्र सम्बंधि विकारों में, तपेदिक और स्वशन विकारों में लाभप्रद है ।
- यह स्मरण शक्ति, भूख, कामेच्छा तथा आमाशय एवं हृदय की टोन को बढाता है साथ ही यह एक अच्छा हेमोस्टेटिक अभिकर्ता, विषाक्तरोधी, फफूंदरोधी, जीवाणुरोधी, घाव एवं फोडों में अच्छा आरोग्यकर है ।[5, 8, 9]

यूनानी औषधि (मशहूर मुरक्कब)

- हब्ब–इ–लोबान कावी
- बनादिक कुंदुरी
- तिर्याक सरतान सरताना[12]

चित्र 1

निष्कर्ष

लोबान की धूनी से वातावरण को स्वच्छ बनाया जा सकता है लोबान के प्रयोग से अनेक रोगों से मुक्ति प्राप्त जा सकती है । स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान हेतु लोबान का प्रयोग से सहायक सिद्ध हो सकता है । सिर्फ अभियान शुरू करना ही काफी नहीं है, परिणाम मायने रखता है। सिर्फ सरकार इसे सफल नहीं बना सकती, लोगों की भागीदारी सबसे जरूरी है।

संदर्भ सूची

1. https://www.slideshare.net/doctortvrao/swachh-bharat-abhiyan-indias-vision-to-future.
2. https://www.gkexams.com/ask/35563-Swachh-Bharat-Abhiyan-Ke-Uddeshya.
3. https://swachhbharatmission.gov.in/SBMCMS/writereaddata/portal/images/pdf/SBM(G)%20Ph-2%20Guidelines%20-%20Hindi.pdf.
4. https://meerut.nic.in/hi/scheme/ स्वच्छ भारत -अभियान.
5. Ghani N (YNM) Khazanul Advia, Idare Kitab-ul-Shafa, Darya Ganj, New Delhi, 1187.
6. https://en.wikipedia.org/wiki/Styrax_benzoin#cite_note-1.
7. Atia Sharif, Haq Nawaz, Rafia Rehman, Ayesha Mushtaq, Umer Rashid. A Review on Bioactive Potential of Benzoin Resin, International Journal of Chemical and Biochemical Sciences,2016:10(2016):106-110.
8. Kabirruddin H. (YNM). Makhaznul Muffradat al-maroof Khawas-ul-Advia Aijaz Publication House, Darya Ganj, New Delhi, 514.
9. Hakeem AH. (YNM). Bustanul Muffradat, Idare Kitabus Shifa, Kucha Chelan, Darya Ganj, New Delhi. YNM, 519.
10. Dedi P Simatupang, Nora Susanti and Jamalum Purba (2021): Stability of Styrax benzoin extract and fraction with the addition of glycerol and tween 80, Jurnal Pendidikan Kimia, 13(2), 143-150. (https://jurnal.unimed.ac.id/2012/index.php/jpk).
11. Adhav Bhagvan, Dipali Pagire. A Review on Bioactive Potential of Benzoin Resin, International Journal of Research Publication and Reviews,2022:3(7):1158-1163.
12. Anonymus, National Formulary of Unani Medicine, Ministry of Ayush,Ccrum, Government of India Delhi, 2011, 27(4).